एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में ऑनलाइन शिक्षा योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रदेश में आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विभाग द्वारा संचालित **एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (Eklavya Model Residential Schools)** में **ऑनलाइन शिक्षण** हेतु विभाग द्वारा योजना तैयार की गई है।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना का उद्देश्य इन विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षक द्वारा सीबीएसई व सीजी बोर्ड के पाठ्यक्रम अनुसार पढ़ाई कराना, विद्यार्थियों को पढ़ाई से जोड़े रखना, नियमित टेस्ट का मूल्यांकन, विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक सहायता और मार्गदर्शन, विद्यार्थियों के पालकों से संपर्क और विद्यार्थियों की परेशानी ज्ञात कर उनका निराकरण करना है।
- योजना में विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिये स्कूल स्तर पर ऑनलाइन अध्यापन का सेटअप तैयार कर विद्यार्थियों को गूगल मीट के द्वारा ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था का प्रावधान है।
- ऑनलाइन शिक्षण का लाभ विद्यार्थियों को किस प्रकार मिल रहा है, इसके लिये विभागीय शिक्षकों, छात्रावास अधीक्षकों और मंडल संयोजकों के माध्यम से मैदानी स्तर पर मॉनिटरिंग का प्रावधान भी इस योजना में किया गया है।
- योजना के तहत व्यवस्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय को **नोडल विद्यालय** बनाया जाएगा और यहीं से ज़िले के अन्य एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, जहाँ ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा नहीं हो, को भी ऑनलाइन जोड़ा जाएगा।
- प्रत्येक ज़िले में एक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय को नोडल स्कूल के रूप में चिह्नांकित किया जाएगा, जहाँ शिक्षक और ऑनलाइन शिक्षण हेतु संसाधन उपलब्ध होंगे। नोडल विद्यालय में किसी भी कक्षा, विषय में अध्यापन के लिये बच्चों का समूह 120 से अधिक नहीं होगा।
- स्थायी शिक्षकों और अन्य शालाओं से शिक्षक संलग्न कर टीम बनाई जाएगी। विषयवार प्रत्येक विषय के लिये एक कोरग्रुप बनाया जाएगा, जिसमें उस विषय के न्यूनतम तीन शिक्षक होंगे।
- ऑनलाइन शिक्षक की आवश्यक व्यवस्था और मॉनिटरिंग सहायक आयुक्त, आदिवासी द्वारा और राज्य स्तर पर समीक्षा आयुक्त द्वारा की जाएगी। ग्राम स्तर से विभागाध्यक्ष स्तर तक मॉनिटरिंग की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eklavya-model-residential-schools